No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-1

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)
सत्रांत परीक्षा
00271 दिसम्बर, 2018

एम.एच.डी.-1 : हिन्दी काव्य-1
(आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) मोको कहाँ ढूँढ़े बन्दे, मैं तो तेरे पास में ।

ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास में ।

ना तो कौने क्रिया-कर्म में, नहीं योग बैराग में ।

खोजी होय तो तुरतै मिलिहों, पल भर की तालास में ।

कहैं कबीर सुनो भई साधो, सब स्वाँसों की स्वाँस में ।।

(ख) खरभरू देखि बिकल पुर नारीं । सब मिलि देहिं महीपन्ह गारीं ।।
तेहिं अवसर सुनि सिव धनु भंगा । आयउ भृगुकुल कमल पतंगा ।।
देखि महीप सकल सकुचाने । बाज झपट जनु लवा लुकाने ।।
गौरि सरीर भूति भल भ्राजा । भाल बिसाल त्रिपुंड बिराजा ।।
सीस जटा ससिबदनु सुहावा । रिसबस कछुक अरुन होइ आवा ।।
भृकुटी कुटिल नयन रिस राते । सहजहुँ चितवत मनहुँ रिसाते ।।
बृषभ कंध उर बाहु बिसाला । चारू जनेउ माल मृगछाला ।।
कटि मुनिबसन तून दुइ बाँधे । धनु सर कर कुठारू कल काँधें ।।

दो. – सांत बेषु करनी कठिन बरनि न जाइ सरूप ।
धरि मुनितनु जनु बीर रसु आयउ जहँ सब भूप ।।

(ग) म्हाराँ री गिरधर गोपाल दूसराँ णाँ कूयाँ ।
दूसराँ णाँ कूयाँ साधाँ सकल लोक जूया ।
भाया छाँड्याँ बन्धा छाँड्याँ सँगा सूयाँ ।
साधाँ ढिग बैठ बैठ, लोक लाज खूयाँ ।
भगत देख्याँ राजी ह्ययाँ जगत देख्याँ रूयाँ ।
असुवाँ जल सींच सींच प्रेम बेल बूयाँ ।
दध मथ घृत काढ़ लयाँ डार दया छूयाँ ।
राणा विषरो प्यालो भेज्याँ पीय मगण हूँया ।
मीरा री लगण लग्याँ होणा हो जो हूँयाँ ।।

(घ) झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छ्वै ।
हँसि बोलन मैं छबि फूलन की बरषा, उर ऊपर जाति है ह्वै ।
लट लोल कपोल कलोल करै, कल-कंठ बनी जलजावलि द्वै ।
अंग-अंग तरंग उठै दुति की, परिहे मनौ रूप अबै धर च्वै ।

2. 'पृथ्वीराज रासो' की प्रामाणिकता पर विचार कीजिए । *10*

3. आज के संदर्भ में कबीर का मूल्यांकन कीजिए । *10*

4. जायसी के 'पद्मावत' में चित्रित लोक जीवन को उद्घाटित कीजिए । *10*

5. भक्ति-आन्दोलन के संदर्भ में सूरदास का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए । *10*

6. तुलसीदास की विचारधारा के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डालिए । *10*

7. रीतिकाव्य-परम्परा में घनानंद का योगदान स्पष्ट कीजिए । *10*